No. of Printed Pages : 7

MSK-01

स्नातकोत्तर कला उपाधि (संस्कत)

(एम. एस. के.)

सत्रांत परीक्षा

दिसम्बर . 2021

एम.एस.के.-01 : संस्कत साहित्यशास्त्र एवं साहित्य

समय : 3 घण्टे *अधिकतम अंक : 100*

निर्देश : *सभी खण्ड अनिवार्य हैं। खण्डों में दिए गए निर्देशों के अनसार ही प्रश्नों के उत्तर दीजिए।*

खण्ड—क

निर्देश : *अधोलिखित प्रश्नों में से किसी **एक** की विस्तत व्याख्या कीजिए।* 20

1. मख्यार्थबाधे तद्यक्तो ययान्योऽर्थ: अर्थ: प्रतीयते।

रूढे: प्रयोजनाद्वासौ लक्षणा शक्तिरर्पिता॥

'कलिंग साहसिक:' इत्यादौ कलिङगादिशब्दो देशविशेषाादि रूपे स्वार्थेऽसंभवन यया शब्दशक्या स्वसंयक्तान परुषादीन प्रत्याययति, यया च गङगायां घोष: इत्यादौ गङगादिशब्दो जल मयादि रूपार्थवाच कत्वात प्रकतेऽसंभवन स्वस्य सामीप्यादि संबन्ध संवन्धिनं तटादिं बोधयति, सा शब्दस्यार्पिता स्वाभाविकेतरा ईश्वरानद भाविता वा शक्तिर्लक्षणा नाम। पर्वत्र हेत रूढि: प्रसिद्धिरेव। उत्तरत्र 'गङगातरे घोष:' इति प्रतिपादनालभ्यस्य शीतत्वपावनत्वातिशयस्य बोधनरूपं प्रयोजनं। हेत विनापि यस्य कस्यचित सम्बन्धिनो लक्षणे इति प्रसंग: स्यात, इत्यक्तम रूढि: प्रयोजनादौ॥

अथवा

अस्य ग्रन्थस्य काव्यफलैरेव फलवत्त्वमिति काव्यफला–

न्याह चतर्वर्ग फलप्राप्ति: सखादल्पधियामपि।

काव्यदेव यतस्तेन तत्स्वरूपं निरूप्यते॥

चतर्वर्गफलप्राप्तिर्हि काव्यतो "रामादिवत्प्रवर्तितव्यं न रावणादिवत" इत्यादि कत्याकत्य प्रवत्तिनिवत्त्यपदेश द्वारेण सप्ततीतैव। उक्तं च (भामहेन)–

धर्मार्थकाममोक्षेष वैचक्षण्यं कलास च।

करोति कीर्तिं प्रीतिं च साधकाव्यनिबन्धनम॥

2. अधोलिखित श्लोकों में से किन्हीं **दो** की सप्रसंग व्याख्या कीजिए– 10×2=20

(क) कश्चित्कान्ताविरहगरुणा स्वाधिकारात्प्रमत्त:

शापेनास्तङगमित महिमा वर्षभोग्येण भर्त:।

यक्षश्चक्रे जनकतनयास्नानपण्योदकेष,

स्निग्धच्छाया तरुष वसतिं रामगिर्याश्रमेष॥

(ख) तां चावश्यं दिवसगणनातत्परामेक पत्नी–

मव्यापन्नामविहतगतिर्द्रक्ष्यसि भ्रातणायाम।

आशाबन्ध: कसमसदशं प्रायशो ह्यङगनानां,

सद्य: पाति प्रणयि हृदयं विप्रयोगे रुणद्धि॥

(ग) तन्वी श्यामा शिखरिदशना पक्वबिम्बाधरोष्ठी

मध्ये क्षामा चकित हरिणी प्रेक्षणा निम्ननाभि:।

श्रोणी भारा दलसगमना स्तोकनम्रास्तनाभ्यां,

या तत्र स्याद्यवति विषये सष्टिराधैव धात:॥

(घ) हस्ते लीला कमलमलके बालकन्दानविद्धं

नीता लोध्र प्रसव रजसा पाण्डतामानने श्री:।

चडापाशे नवकरबंक चारु कर्णे शिरीषं

सीमन्ते च त्वदपगमनं यत्र नीपं वधनाम॥

3. अधोलिखित में से किन्हीं **दो** का हिन्दी भाषा में अनवाद कीजिए– 10 × 2 = 20

(क) एतत्त मां दहति यद गह्यस्मदीय,

क्षीणार्थमित्यतिथय: परिवर्जयन्ति।

संशष्क सान्द्रमलेखमिदं भ्रमन्त:

कालात्यये मधकरा: करिण: कपोलम॥

(ख) दीनानां कल्पवक्षः स्वगण फलनतः सज्जनानां कटंबी

आदर्शः शिक्षितानां सचरितनिकषः शीलवेला समद्रा।

सत्कर्ता नावमन्ता परुषगणनिधिर्दक्षिणोदारसत्वो,

ह्येकः श्लाघ्यः स जीवत्यधिक गणतया चोच्छ्वसन्तीव चान्ये॥

(ग) कामं नीचमिदं वदन्त परुषाः स्वप्ने च यद्वर्धते,

विश्वस्तेष च वञ्चनापरिभवश्चौर्यं न शौर्यं हि यत।

स्वाधीना वचनीयतापि हि वरं बद्धो न सेवाञ्जलि–

मार्गाह्येष नरेन्द्रसौप्तिकवधे पर्वं कतो द्रोणिना॥

(घ) वेगं करोति तरगस्त्वरितं प्रयातं

प्राण व्ययान्न चरणास्त तथा वहन्ति।

सर्वत्र यान्ति परुषस्य चलाः स्वभावाः,

खिन्नास्ततो हृदयमेव पनर्विशन्ति॥

खण्ड—ख

4. निम्नलिखित में से किन्हीं **दो** प्रश्नों के उत्तर दीजिए–

$2 \times 10 = 20$

(i) 'उपमा कालिदासस्य' इस सक्ति की विस्तत व्याख्या कीजिए।

(ii) संस्कत गद्यकाव्य के उदभव और विकास पर प्रकाश डालिए।

(iii) आचार्य विश्वनाथ के काव्यलक्षण की विस्तत व्याख्या कीजिए।

(iv) नायक का लक्षण लिखते हुए उसके भेदों का विस्तार से वर्णन कीजिए।

5. निम्नलिखित में से किन्हीं **दो** पर टिप्पणियाँ लिखिए–

$2 \times 5 = 10$

(क) रामायण चम्प

(ख) नान्दी

(ग) आकाश भाषित

(घ) रूपक

6. निम्नलिखित में से किन्हीं **दो** का चरित्र-चित्रण कीजिए– $2 \times 5 = 10$

(क) यक्ष

(ख) वासवदत्ता

(ग) चारुदत्त

(घ) यक्षिणी